राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 278 | जौनपुर | बुधवार, 28 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

यात्री बसों में एटीएम या डेबिट कार्ड से टिकट बुक कर सकेंगे।

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम जल्द ही यात्रियों को नई सुविधा देने जा रहा है। अब यात्री बसों में एटीएम या डेबिट कार्ड से टिकट बुक कर सकेंगे। यह सुविधा 100 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। जौनपुर डिपो में वर्तमान में 80 से अधिक बसें संचालित हैं। परिचालक अभी ई–पाश मशीन से टिकट जारी करते हैं। इन मशीनों में जल्द ही एटीएम और डेबिट कार्ड स्वैप करने की सुविधा जोड़ी जाएगी। इससे यात्रियों को आसानी से टिकट मिल सकेगा। यह सुविधा सबसे पहले जनरथ और नॉन–स्टॉप बसों में शुरू की जाएगी। इससे पहले परिचालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। एआरएम ममता दुबे के अनुसार, इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारियां चल रही हैं।

सामूहिक विवाह योजना में अब कन्याओं को सिंदूर भी किया जाएगा दान : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। अब सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाले उपहारों में कन्या को सिंधौरा (सिंदूरदान) भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं लाभ लेने के लिए कन्या पक्ष की अधिकतम आय सीमा भी दो लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दी गई है। प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किए जाने का शासनादेश भी जारी किया गया है। शासनादेश के अनुसार, कन्या के अभिभावक का यूपी का मूल निवासी होना चाहिए। विवाह योग्य आयु की पुष्टि के लिए स्कूल का रिकॉर्ड, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और आधार कार्ड मान्य होंगे। योजना में निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग बेटी को प्राथमिकता दी जाएगी। खर्च में पुजारी–मौलवी की दक्षिणा व पारिश्रमिक भी शामिल रू जिलास्तर पर डीएम की निगरानी में समाज कल्याण अधिकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कराएंगे। कन्या के खाते में 60 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। 25 हजार रुपये मूल्य की वैवाहिक उपहार सामग्री दी जाएगी। प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च होगा। विवाह समारोह के लिए जर्मन हैंगर की व्यवस्था की जाएगी इस राशि में विवाह संपन्न कराने वाले पुजारी और मौलवी की दक्षिणा व पारिश्रमिक भी शामिल होगा। 100 या उससे अधिक जोड़ों के विवाह समारोह के लिए जर्मन हैंगर की व्यवस्था की जाएगी। यह पंडाल काफी उम्दा किस्म का होता है।इसके साथ ही विवाह मंडप पर पहुंचकर जोड़ों पर फूल भी बरसाए। मंच से आशीर्वाद देते हुए सीएम योगी ने कहा कि अच्छी सरकार वही है जो जनता की समस्याओं का निदान निकाल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवाह का कार्यक्रम प्रधानमंत्री लोक कल्याण के कार्यक्रम को आगे बढ़ने का हिस्सा है। बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ के कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। बाल विवाह दहेज प्रथा पर यह कार्यक्रम प्रहार है।

कोर्ट ने खारिज की सावरकर का नाम 1950 के कानून में जोड़ने की याचिका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार को विनायक दामोदर सावरकर का नाम श्प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950श की अनुसूची में शामिल करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। यह कानून पेशेवर और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कुछ खास प्रतीकों और नामों के अनुचित उपयोग को रोकने के लिए बनाया गया है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता के किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है। खुद पेश हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि वह पिछले 30 वर्षों से सावरकर पर शोध कर रहे हैं और उनकी ऐतिहासिक भूमिका को कानूनी रूप से स्थापित करने का अवसर चाहते हैं। उन्होंने शीर्ष कोर्ट से आग्रह

किया था कि केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाएं कि सावरकर का नाम अधिनियम की अनुसूची में जोड़ा जाए। इस पर सीजेआई ने पूछा, आपके किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है? याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 51। का हवाला दिया और कहा कि राहुल गांध ी जैसे नेता उनके कर्तव्यों को बाधि ात नहीं कर सकते। अनुच्छेद 51। नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों से जुड़ा है। सीजेआई ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 32 के तहत वही याचिकाएं स्वीकार होती हैं, जिनमें मौलिक अधि ाकारों का उल्लंघन हुआ हो। बेंच ने कहा, अगर आप चाहते हैं कि कुछ पाठ्यक्रम में शामिल हो, तो केंद्र सरकार को आवेदन दें। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने पहले ही सरकार को प्रार्थना पत्र भेजा है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर का नाम 1950 के कानून में जोड़ने की याचिका खारिज की।

संक्षिप्त समाचार

किरकिरी कराने वाले अफसरों पर होगी कार्रवाई

. शिमला, (एजेंसी)। विमल नेगी केस में हाई कोर्ट में अलग–अलग हलफनामे दायर करने और मीडिया में आकर सीनियर अधिकारियों पर आरोप लगाने के मामले में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कार्रवाई करने वाले हैं। शिमला से लौटते ही सचिवालय में प्रेस वार्ता के बाद मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय में एक लंबी बैठक की है। इसमें मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर और एडवोकेट जनरल अनूप रतन इत्यादि शामिल थे। इस बैठक में बनी रणनीति के अनुसार राज्य सरकार अब मंगलवार को आदेश जारी करेगी। इन आदेशों में किस यह अब मंगलवार को ही पता चलेगा। मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता में भी कहा था कि जिन अधिकारियों ने अनुशासन को तोड़ा है, उसको सरकार ने गंभीरता से लिया है। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री होटल पीटरहाफ मेंआईजीएमसी की टीचिंग फैकल्टी के डिनर में शामिल होने निकल गए। यह कार्रवाई दो आध ार पर हो सकती है, जैसे किन अधिकारियों ने हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से जवाब दायर करती बार सामान्य लीगल प्रक्रिया का पालन नहीं किया ।

सरकार के अपने ही एसपी खोल रहे पोल

धर्मशाला, (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने कहा कि सुक्खू सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रदेश में विमल नेगी मामले के बाद बने हालात से भाजपा के सरकार पर लगाए गए आरोप सिद्ध हो गए हैं। सोमवार को धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि माफिया पर सरकार का नियंत्रण नहीं है और वर्तमान कांग्रेस सरकार इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि एक ईमानदार अफसर की मृत्यु हो गई और प्रदेश सरकार व प्रशासन गंभीरता दिखाने के बजाय राजनीति कर रहे हैं। डा. बिंदल ने कांग्रेस सरकार को घेरते हुए विमल नेगी की रहस्यमय मृत्यु का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल उठाया कि यह मृत्यु, हत्या या आत्महत्या थी। इसकी जांच तुरंत करने की आवश्यकता है, ताकि परिवार को न्याय जांच के बजाए सरकार व अधिकारी ध्यान भटकाने को अन्य राग अलाप रहे हैं,।

शांति तभी सुरक्षित रहती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों की ताकत के अलावा लोगों से भी आती है। आज उपराष्ट्रपति के एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम–चरण 7 के उद्घाटन सत्र में, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले

से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। और यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। और इसलिए, हाल की घटनाओं को देखते हुए, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों की ताकत के अलावा लोगों से भी आती है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की तरह, राजनीतिक जनजातियों का भी राष्ट्रीय हित के प्रति नैतिक कर्तव्य है,।

पीएम मोदी ने नितिन गडकरी को उनके 68वें जन्मदिन पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उनके 68वें जन्मदिन के अवसर पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं । प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर लिखा, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं , जो भारत में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के उन्नयन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे। गडकरी ने प्रधानमंत्री को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। टकोली बैरियर पर लहराई तलवारें गडकरी ने एक्स पर लिखा, माननीय नरेंद्र भाई, आपकी शुभकामनाओं के लिए हार्दिक ध न्यवाद। आपका दृढ़ नेतृत्व मेरे लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा, क्योंकि मैं भारत के विकास और प्रगति के लिए अटूट समर्पण के साथ काम करना जारी रखूंगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वरिष्ठ भाजपा नेता को शुभकामनाएं दीं। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। अपनी अभिनव सोच और परिणाम–उन्मुख दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जमीन पर प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र की सेवा में निरंतर सफलता की कामना करता हूं । नितिन गडकरी का जन्म 27 मई, 1957 को नागपुर के नारंगी शहर में एक कृषि प्रधान महाराष्ट्रीयन परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी माँ के

दयालु और परोपकारी स्वभाव को अपनाया और हमेशा जरूरतमंदों की मदद की, भले ही इसके लिए उनके सीमित संसाधनों पर दबाव क्यों न पड़ा हो। स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों के आशावाद की जगह मोहभंग ने ले ली थी। समाज के विभिन्न वर्गों में मोहभंग बढ़ रहा था। 1975 में आपातकाल लागू होने से विश्वासघाती जनता का गुस्सा और बढ़ गया। उस समय सरकार द्वारा की गई ज्यादतियों ने गडकरी को उनके सहज क्षेत्र से बाहर निकाल दिया। वेबसाइट के अनुसार, एक छात्र के रूप में उन्होंने आपातकाल के खिलाफ आक्रामक रूप से अभियान चलाया था। गडकरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से बहुत करीब से जुड़े और उन्होंने सामाजिक कार्यों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल मुस्लिम दुनिया में कूटनीतिक संपर्क बढ़ा रहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)।बाब अल बहरीन के प्रवेश द्वार पर स्थित दो स्मारिका दुकानों कोहिनूर और एवरशाइन के कर्मचारी उस समय आश्चर्यचकित रह गए, जब भारतीय सांसदों ने मनामा सूक के इस ऐतिहासिक बाजार क्षेत्र में अचानक उपस्थिति दर्ज कराई। कोहिनूर के मालिक एक भारतीय हैं, जबकि एवरशाइन को पाकिस्तानी कर्मचारी चलाते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर अपने राजनयिक संपर्क को लेकर बहरीन में व्यस्त बैठकों के बीच, भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम को इस प्रतिष्ठित क्षेत्र में रुका। सदस्यों ने कुछ लोगों से बात की, तस्वीरें लीं और आगे बढ़ गए। कोहिनूर के एक भारतीय कर्मचारी ने कहा, (एआईएमआईएम

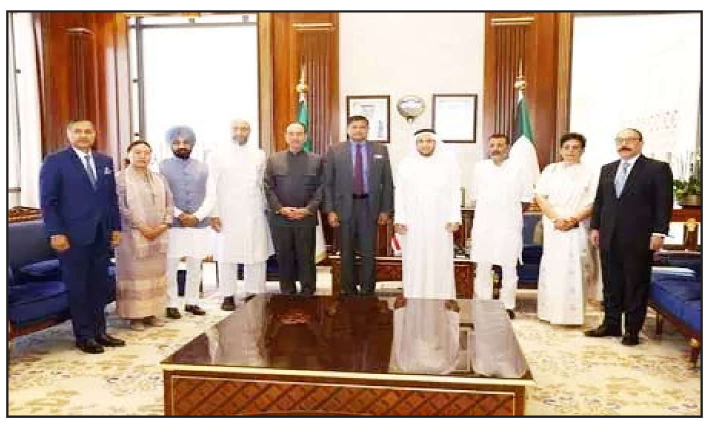

नेता असदुद्दीन) ओवैसी जैसे लोगों को देखकर अच्छा लगा और मुझे एक सेल्फी लेनी पड़ी। खुश और उत्सुक दिख रहे थे। एक ने कहा, ष्हम यहां काम करने आए हैं, वास्तव में हमारे देश में क्या राजनीति हो रही है, इसके बारे में नहीं जानते। दोनों ही व्यवस्थाएं आमतौर पर एक दूसरे के साथ मिलकर काम करती हैं। इस पृष्ठभूमि में, व्यापक राजनयिक मिशन जारी रहा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य, जो 33 वैश्विक राजधानियों की यात्रा करने वाले सात बहुदलीय समूहों में से एक है, पाकिस्तान की योजनाओं और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय तक पहुंचना है, खासकर पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर जिसमें 26 लोग मारे गए थे और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। मुस्लिम दुनिया को बताना चाहता है कि यह सिर्फ दो देशों के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि वैश्विक आतंकवाद की बड़ी चुनौती का हिस्सा है। यही कारण है कि प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य मुस्लिम दुनिया के कुछ हिस्सों को प्रभावित करने वाले आईएसआईएस जैसे समूहों की श्तकफीरीश विचारधारा और भारत द्वारा सामना किए जा रहे आतंकवाद के बीच समानताएं खींच रहे हैं। तकफीरी का मतलब हिंसा को सही ठहराने के लिए किसी को धर्मद्रोही या काफिर घोषित करना है। (एआई एमआईएम) के नेता ओवैसी ने कहा, ष्पाकिस्तान में इन आतंकवादी संगठनों और आईएसआईएस की तकफीरी विचारध ारा में कोई अंतर नहीं है। यह हमें याद रखना चाहिए। यह पूरी मानवता के लिए खतरा है और हमें इसे खत्म करना होगा...उन्होंने लोगों की हत्या को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया है और पूरी दुनिया जानती है कि इस्लाम ने आतंकवाद की निंदा की है। उन्होंने कहा, ष्कुरान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या, कुरान ने एक निर्दोष मुसलमान की हत्या नहीं कही है, यह कहता है कि एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या पूरी मानवता की हत्या के समान है।ष मुस्लिम दुनिया में, भारत यह बात समझाने की कोशिश कर रहा है कि सिर्फ इसलिए कि पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है, वह भारत के खिलाफ अपने कार्यों से बरी नहीं हो सकता। मध्य पूर्वी देशों में प्रमुख सरकारी और राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत करते हुए।

कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के लिए टीएमसी ने उम्मीदवार का किया ऐलान

कालीगंज, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 19 जून को होने वाले कालीगंज विध ानसभा उपचुनाव के लिए अलीफा अहमद को अपना उम्मीदवार घोषित किया। अलीफा अहमद तृणमूल कांग्रेस के दिवंगत विधायक नसीरुद्दीन अहमद की बेटी हैं। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया अध्यक्ष ममता बनर्जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में एआईटीसी को आगामी 19 जून, 2025 को होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कालीगंज की उम्मीदवार अलीफा अहमद हैं। पश्चिम बंगाल में कालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव मौजूदा विध ानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद के निधन के कारण जरूरी हो गया है। अहमद, जिन्हें श्लाल दाश घ्के नाम से जाना जाता था, 70 वर्ष के थे। एक अनुभवी नेता, अहमद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में कई बार कालीगंज का प्रतिनिधित्व किया था, 2011 और 2021 में जीत हासिल की। यह सीट राजनीतिक महत्व रखती है, और सत्तारूढ़ पार्टी दिवंगत नेता की सद्भावना और निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के लिए उनकी बेटी की ताजा अपील दोनों पर भरोसा कर रही है। मतदाता सूची के हाल ही में संशोधन के बाद, कालीगंज विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2.5 लाख पंजीकृत मतदाता हैं। चुनाव आयोग ने रविवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 19 जून को होगा। कालीगंज चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों में से एक है।

भाजपा के मन में मुंबई के लिए इतनी दुर्भावना क्यों है आखिर किस बात पर भड़के आदित्य ठाकरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बालासाहेब ठाकरे और ऑपरेशन सिंदूर पर गृह मंत्री अमित शाह के कथित बयान पर शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि ये सभी बयान ठीक हैं, लेकिन मुंबईकरों को जवाब चाहिए कि भाजपा ने मुंबई को इस स्थिति में क्यों पहुँचाया – जो स्थिति हमने कल देखी (जलभराव)। भाजपा के मन में मुंबई के लिए इतनी दुर्भावना क्यों है? भाजपा मुंबई को क्यों खत्म करना चाहती है? बारिश के कारण हजारों हेक्टेयर भूमि का नुकसान हुआ है। किसानों को कोई मदद क्यों नहीं दी गई? ठाकरे ने कहा कि चाहे वह मुंबई हो, ठाणे हो या पुणे, कई शहरों में स्थिति खराब होती जा रही है। हमारे शहरों को कोई मदद क्यों नहीं मिल रही है? इससे पहले ठाकरे ने कहा था कि यह मुंबई और पुणे में भाजपा का घोटाला है। पिछले 2–3 हफ्तों से हम मुंबई, पुणे और महाराष्ट्र के अलग–अलग इलाकों में भारी बारिश देख रहे हैं। किसानों को इस सरकार ने कोई मदद या समर्थन नहीं दिया है। इसी तरह, हमारे शहरों की जो भयानक स्थिति है, वह मेट्रो और सड़क घोटाले जैसे खराब नियोजित बुनियादी ढांचे के कारण है,। जिसमें एकनाथ शिंदे (उपमुख्यमंत्री) शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा था कि अगर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे जीवित होते है।

लालू परिवार और पार्टी से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप का पहला संदेश

पटना, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को भले ही पार्टी और परिवार से बाहर निकाल दिया। लेकिन, तेज प्रताप यादव आज भी अपने परिवार को नहीं भूले हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद तेज प्रताप ने प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद पार्टी से निकाले जाने और पिता लालू प्रसाद, बहन रोहिणी आचार्या और छोटे भाई तेजस्वी यादव की नाराजगी पर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। तीन दिन तक चुप्पी साधी रखी। आज उनका बयान सामने आया तो वह भी अपने भतीजे के लिए। तेजस्वी यादव के दूसरी बार पिता बनने पर उन्होंने बधाई दी। सोशल मीडिया पर अपने भाई और भतीजे की तस्वीर शेयर करते हुए

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने लिखा कि श्री बांके बिहारी जी के असीम कृ पा व आशीर्वाद से नवजात शिशु के आगमन (पुत्ररत्न की प्राप्ति) पर मुझे बड़े पापा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव एवं राजश्री यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भतीजे को मेरा स्नेहिल आशीर्वाद एवं शुभ प्यार। श्री बांके बिहारी जी के असीम कृपा व आशीर्वाद से नवजात शिशु के आगमन (पुत्ररत्न की प्राप्ति) पर मुझे बड़े पापा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. . 24 मई को तेज प्रताप यादव के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से अकाउंट से पोस्ट शेयर किया गया। इसमें तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे। इसमें लिखा गया था कि मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम '''''' है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हू आपलोग मेरी बातों समझेंगे। हालांकि, यह पोस्ट तेज प्रताप यादव के अकाउंट से डिलीट कर दिया गया।

संपादकीय

मनरेगा को ठेंगा

श्रमिकों को घर के पास जीविका उपार्जन के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शुरू की गई मनरेगा से जुड़ी धांधलियां अकसर उजागर होती रहती हैं। ताजा घटनाक्रम में ठेकेदारों व निहित स्वार्थी तत्वों की सांठगांठ को ऑनलाइन भुगतान के जरिये बेनकाब किया गया, जिसमें लाखों फर्जी श्रमिकों को भुगतान के मामले उजागर हुए। निश्चित रूप से ये घटनाएं हमारे समाज में येन–केन–प्रकारेण धन अर्जन की लालसा को ही उजागर करती हैं। साथ ही नैतिक मूल्यों के पतन की गाथा भी कहती हैं। ऐसे ही पंजाब के गुरदासपुर के गाजीकोट गांव में उजागर हुआ कार्टून घोटाला एक हास्यास्पद, लेकिन बेहद परेशान करने वाला उदाहरण है कि भ्रष्टाचार के लिये किस हद तक गिरा जा सकता है। कथित तौर पर पंचायत सदस्यों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के तहत मजदूरों की उपस्थिति को फर्जी ढंग से दर्शाने के लिये एक सरकारी स्कूल के गेट पर बनाए गए कार्टूनों का सहारा लिया। इन चित्रों के साथ लाभार्थियों की तसवीरें मजदूरी के सबूत के तौर पर अपलोड की गई। विडंबना देखिए कि उस काम के लिए भुगतान लिया गया जो कभी किया ही नहीं गया था। दरअसल, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक योजना के तहत स्कूल की दीवारों पर पेंटिंग्स बनायी थी, जिससे छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया जा सके। लेकिन शातिर लोगों ने उसका दुरुपयोग मनरेगा में घोटाले को अंजाम देने के लिए किया। निश्चय ही यह हमारे समाज में कुशासन, नैतिक पतन और तकनीकी खामियों की घातक जुगलबंदी को दर्शाता है। इस घोटाले का एक बेशर्म पहलू यह भी था कि कथित तौर पर पंचायत अधिकारियों के करीबी दो भाइयों को कार्टून के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह काल्पनिक काम के लिये बेशर्मी से भुगतान कर दिया गया। यही वजह है कि मनरेगा के तहत वित्तीय आवंटन व योजना के क्रियान्वयन को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, लंबे अरसे से मनरेगा के तहत मजदूरी देने में धांधली के आरोप लगते रहे हैं। यह केवल पंजाब के गुरदासपुर का मामला ही नहीं है, हाल के वर्षों में पूरे देश में इस तरह की धोखाधड़ी के मामले उजागर होते रहे हैं। कुछ दिन पहले, गुजरात में एक राज्य मंत्री के बेटों से जुड़े 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में फर्जी प्रोजेक्ट और अन्य धांधलियां सामने आई थीं। मृत व्यक्तियों के नाम पर भी भुगतान किया गया। कुछ माह पूर्व कर्नाटक में, पुरुष श्रमिकों ने महिला जॉब कार्डधारकों का रूप धारण करने के लिये साड़ी पहनी थी। ये उदाहरण ग्रामीण आजीविका और सम्मान को बनाये रखने के लिये बनायी योजना का मजाक उड़ाने वाले हैं। दरअसल, ऐसे घोटालों का उजागर होना अंततरू कल्याणकारी कार्यक्रमों में जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। सही मायनों में ऐसी धांधलियों से वास्तविक लाभार्थियों के हितों को नुकसान पहुंचता है। साथ ही ऐसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभाव संगठित भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करता है। निस्संदेह, ऐसी धांधलियों को दूर करने के लिये गहन तथा प्रणालीगत सुधारों की आवश्यकता है।

जासूसी के मकड़जाल पर कानून की निगहबानी

के.पी.

हाल ही में हुए सशस्त्र संघर्ष के बाद भारत में पाक खुफिया एजेंसियों के जासूसों और मुखबिरों के नेटवर्क पर कार्रवाई अपरिहार्य थी। यू–ट्यूबर, यायावर, शिक्षाविद, अपराधी और छोटे व्यवसायियों सहित एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को दुश्मन देश की गुप्त सेवाओं के साथ संदिग्ध सम्बन्धों के चलते गिरफ्तार किया गया है। सम्भव है

कि इनमें से अधिकतर व्यक्ति धन प्राप्ति, वीजा पाने और प्रायोजित विदेश यात्राओं की खातिर अथवा अन्य प्रलोभन के वशीभूत होकर विदेशी एजेंटों के जाल में फंस गए हों। समय के साथ जासूसी के दायरे और विधाओं में बदलाव आया है और इसके आयाम अधिक व्यापक और जटिल हो गए हैं, जिसमें विभिन्न तकनीक पर आधारित, कार्यप्रणाली तथा तरह–तरह के लक्ष्य शामिल होते जा रहे हैं। प्राचीन युग में राजाओं के मुखबिर जानकारी एकत्रित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर गुप्त रूप से घूमते थे। अधीनस्थ रियासतों के षड्यंत्रों तथा महल की साजिशों का पर्दाफाश करने के लिए भी राजाओं द्वारा गुप्तचर नियुक्त किए जाते थे।

आधुनिक सूचना क्रान्ति के दौर में गुप्त जानकारी एकत्रित करने की प्रक्रियाएं पूरी तरह से बदल गई हैं। इनमें साइबर हमलों और आतंकवाद से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सम्भावित खतरों की पहचान करना, विरोधियों की सैन्य क्षमताओं को परखना और सैनिकों की आवाजाही पर नजर रखने के साथ–साथ व्यापारिक रहस्यों, बाजार के रुझान और प्रतिस्पर्धियों की जानकारी से सम्बन्धित मामलों पर आर्थिक जासूसी शामिल है। साथ ही राजनीतिक और सामाजिक संस्थानों एवं भू–राजनीति से जुड़े मसलों की निगरानी शामिल है। औद्योगिक क्रान्ति के बाद, आधुनिक राज्य की अवधारणा विभिन्न स्वरूपों में अवतरित हुई, जिसके परिणामस्वरूप एक जटिल विश्व–व्यवस्था का उदय हुआ। इस व्यवस्था के लिए आवश्यक रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक महत्व की जानकारी एकत्रित करने के लिए पारम्परिक मानव–केन्द्रित गुप्तचर प्रणाली बहुत कम उपयोगी रह गई है। इसके लिए सिग्नल इंटेलिजेंस, वायर इंटरसेप्शन, फोटोग्राफी, उपग्रह इमेजरी और साइबर निगरानी जैसी प्रौद्योगिकी और अमूर्त परिसम्पत्तियों पर आधारित तौर–तरीकों से परिपूर्ण एक सम्पूर्ण गुप्तचर संस्था की जरूरत आन पड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर उपकरणों का उपयोग सटीक और सम्यक 'सॉफ्ट इंटेलिजेंस' एकत्रित करने और दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिकी पर आधारित प्रणालियों को बाधित करने के लिए किया जा रहा है। विरोधियों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निष्क्रिय करने के लिए हार्डवेयर को हैक करना और सॉफ्टवेयर से छेड़छाड़ करना आम बात हो गई है। साइबर जासूसी के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक–संचार माध्यमों को बाधित करके उनसे प्राप्त सिग्नलों का विश्लेषण करने के लिए 'सिग्नल इंटेलिजेंस' लोकप्रिय हो रही है। 'इमेजरी इंटेलिजेंस' तकनीक का उपयोग करना, जिसमें उपग्रह और ड्रोन, हवाई टोही यंत्रों द्वारा डिजिटल फोटोग्राफी शामिल है, अब कोई रहस्य नहीं रह गया है। हालांकि, व्यक्तियों, संगठनों और दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अन्दर के भेदी लोगों को अपने साथ मिलाकर लक्षित संस्थान के अन्दर घुसपैठ करके पारम्परिक निगरानी के तरीके गुप्त एजेंसियों द्वारा अभी भी प्रयोग में लाए जा रहे हैं। दुश्मन की सूचना एकत्र करने वाली इकाइयों को बाधित और भ्रमित करने, देश के रणनीतिक हितों के रक्षार्थ तथा 'डीप स्टेट' के नापाक मंसूबों पर पानी फेरने के लिए भी जासूसी आवश्यक है। हितधारक, प्रतिद्वंद्वी की गुप्तचर प्रणालियों से छेड़छाड़ करने तथा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विमर्शों पर प्रायोजित एवं अपेक्षित राय विकसित करने के उद्देश्य से अलग–अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों से युक्त 'डीप स्टेट' की सेवाएं निरन्तर ले रहे हैं। 'डीप स्टेट' वह अवधारणा है जिसके अन्तर्गत व्यक्तियों के समूह, अदृश्य रहकर, सरकारों और संस्थानों की नीतियों और गतिविधियों को बिना कोई जिम्मेदारी ओढ़े संचालित अथवा प्रभावित करते हैं। कुछ हालिया गिरफ्तारियों को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। दुनियाभर की सरकारों द्वारा जासूसी और 'डीप स्टेट' के प्रचार के खतरों से निपटने के लिए कानूनी तंत्र विकसित किया जाता रहा है। ब्रिटिश शासन के दौरान, भारत में सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण आधिकारिक दस्तावेजों और सूचनाओं के प्रकटीकरण को रोकने के लिए गवर्नर जनरल द्वारा वर्ष 1889 में भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (आईओएस एक्ट) अधिनियमित किया गया था। लॉर्ड कर्जन के शासनकाल में इस कानून को और मजबूत किया गया और परिणामस्वरूप 1904 में आईओएस एक्ट में संशोधन किए गए। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, अंग्रेजों को सैन्य रहस्यों और प्रतिष्ठानों को पहले से कहीं अधिक सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा 'आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923' (ओएस एक्ट) पारित किया गया। जिसमें शासन के लिए आवश्यक गोपनीयता के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा गया था। ओएस एक्ट जासूसी को अपराध घोषित करता है। जासूसी की परिभाषा में किसी निषिद्ध स्थान में प्रवेश करना या स्कैच और नोट बनाना या किसी सरकारी दस्तावेज या सूचना को प्राप्त करके उसे अवांछनीय तत्वों तक पहुंचाने के कार्य को शामिल किया गया है, जो किसी दुश्मन के लिए उपयोगी साबित हो सकता हो या जो भारत की संप्रभुता और अखण्डता एवं विदेशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को प्रभावित कर सकते हो। यहाँ तक कि किसी विदेशी गुप्तचर के साथ मात्र सम्पर्क रखना भी ओएस एक्ट की धारा 4 में अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। गोपनीयता, सरकारों के कामकाज में अन्तर्निहित है। किसी भी सरकारी सूचना को जान–बूझकर प्रकट करना या किसी लोक सेवक के कब्जे में स्थित आधिकारिक दस्तावेज को किसी अनाधिकृत व्यक्ति के साथ साझा करना 'ओएस एक्ट' के अन्तर्गत अपराध है जिसमें 3 वर्ष तक की सजा हो सकती है। कुछ समय से यह महसूस किया जा रहा था कि 'ओएस एक्ट' केवल सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के इर्द–गिर्द घूमने वाले अवांछित व्यक्तियों और लोक सेवकों के अविवेकपूर्ण आचरण पर अंकुश लगाने के लिए ही पर्याप्त है, यह दुश्मन के गुप्तचरों से राष्ट्रीय सुरक्षा को दरपेश गम्भीर खतरों से निपटने के लिए सक्षम नहीं है। तदानुसार, भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) मे एक नई धारा 152 जोड़ी गई।

न्याय की भाषा में बदलाव की दस्तक

उमेश चतुर्वेदी

बीते 14 मई को राष्ट्रपति भवन में हिंदी के प्रयोग ने एक नया इतिहास रच दिया। देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक बन गया। उन्होंने हिंदी में शपथ लेकर एक नई परंपरा की शुरुआत की। अब तक सभी मुख्य न्यायाधीश अंग्रेजी में ही शपथ लेते रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री जैसी प्रमुख हस्तियां पहले से ही हिंदी में शपथ लेती रही हैं, लेकिन न्यायपालिका का सर्वोच्च पद अब तक इससे अछूता था। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले न्यायमूर्ति गवई ने हिंदी में शपथ लेकर उस परंपरा को तोड़ा और न्यायपालिका में अब तक उपेक्षित रही हिंदी को सम्मान दिया। उनके इस निर्णय का विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। अपने शपथ ग्रहण में मातृभाषा का प्रयोग कर न्यायमूर्ति गवई ने देश के करोड़ों हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को एक नई उम्मीद से भर दिया है। लोगों को आशा है कि उनके नेतृत्व में न्यायपालिका में हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान और स्थान प्राप्त होगा। यह विडंबना ही है कि छह वर्ष पूर्व संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अदालतों में हिंदी में सुनवाई की अनुमति दी जा चुकी है, जबकि भारत की सर्वोच्च न्यायपालिका आज भी अंग्रेजी तक ही सीमित है। न्यायमूर्ति गवई से अपेक्षाएं इसलिए भी हैं क्योंकि उनके पद में महत्वपूर्ण अधिकार निहित हैं। मुख्य न्यायाधीश की सहमति के बिना किसी भी उच्च न्यायालय में कार्यवाही की भाषा स्थानीय नहीं बन सकती। संविधान के अनुच्छेद 348(1)(ए) के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट और सभी हाईकोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में ही की जाएगी। हालांकि, इसी अनुच्छेद के भाग (2) में यह प्रावधान भी है कि यदि कोई राज्य अपनी राजभाषा में न्यायिक कार्य करना चाहता है, तो राज्यपाल राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त कर संबंधित हाईकोर्ट की कार्यवाही में हिंदी या राज्य की अन्य आधिकारिक भाषा के प्रयोग की अनुमति दे सकता है। राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 में भी इसी तरह का प्रावधान किया गया है। इसके तहत राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उच्च न्यायालय के निर्णय या आदेशों के लिए अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी या राज्य की अन्य राजभाषा के प्रयोग को अनुमति दे सकता है। दुर्भाग्यवश, इन संवैधानिक और विधिक प्रावधानों के बावजूद, आज तक इनका उपयोग बहुत सीमित रहा है। संविधान के प्रावधानों के तहत हिंदी को 26 जनवरी, 1965 से राजभाषा के तौर पर पूरे देश में कामकाज करने की अनुमति मिलनी थी। लेकिन इसके खिलाफ तीखे विरोध के साथ तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति मैदान में कूद पड़ी थी। हालांकि, जब उसे अहसास हुआ कि गणतंत्र दिवस पर ऐसा करना उचित नहीं होगा तो एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को उसने ऐसा किया। राजभाषा को लेकर होते रहे ऐसे विवादों की वजह से राजभाषा नीति पर विचार के लिए मंत्रिमंडल समिति का गठन किया गया। जिसने 21 मई, 1965 की अपनी बैठक में यह तय किया कि हाईकोर्ट में अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा के प्रयोग से संबंधित प्रस्ताव पर देश के मुख्य न्यायाधीश की सहमति प्राप्त की जानी चाहिए। भारतीय भाषा प्रेमियों की नजर में यह प्रावधान भारतीय भाषाओं की न्याय की भाषा बनने की राह में सबसे बड़ी बाधा है। सांविधानिक प्रावधान के अंतर्गत हिंदी में कामकाज की अनुमति सबसे पहले राजस्थान को हासिल हुई, जिसे हिंदी में कार्यवाही की अनुमति 1950 में मिली। इलाहाबाद हाईकोर्ट में हिंदी कार्यवाही की अनुमति 1969 में मिली, जबकि मध्य प्रदेश को 1971 और बिहार को 1972 में मिली। कई राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने समय–समय पर अपनी भाषाओं में अपने हाईकोर्ट में कार्यवाही चलाने की अनुमति मांगी, लेकिन उन्हें नाकामी ही मिली।

.... विविध ....

अचानक कभी नहीं आता हार्ट अटैक, महीनों पहले देता है ये 5 खतरनाक संकेत, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

आजकल हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। युवा से लेकर बुजुर्ग तक, हर उम्र के लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। कई लोगों को लगता है कि हार्ट अटैक अचानक आता है और इससे बचाव संभव नहीं है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर रोबिन शर्मा के अनुसार, हार्ट अटैक कई महीनों पहले संकेत देना शुरू कर देता है। बस जरूरत है उन संकेतों को पहचानने की और समय रहते सही इलाज व जीवनशैली में बदलाव की।

हार्ट अटैक साइलेंट नहीं है, बस हम ध्यान नहीं देते

हार्ट अटैक को अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है लेकिन डॉक्टरों की मानें तो यह बिल्कुल साइलेंट नहीं होता। शरीर हमें पहले ही कई संकेत देता है, जिन्हें हम जानकारी के अभाव में नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आप अपने दिल को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन संकेतों को समझना और समय पर इलाज करवाना बेहद जरूरी है।

फास्ट फूड से बनता है हार्ट अटैक का रास्ता

आजकल लोग ज्यादा मात्रा में चीज, बर्गर, समोसा, नान और मैदा से बनी चीजें खाते हैं। इन सभी चीजों में अनहेल्दी फैट भरा होता है जो शरीर में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल नसों में जमा होकर ब्लड फ्लो को रोकता है और फिर यही हार्ट अटैक का सबसे बड़ा कारण बन जाता है।

हार्ट अटैक से पहले आने वाले 5 चेतावनी संकेत

चक्कर आना या आंखों के सामने अंधेरा छाना– बैठने से उठते समय या झुकने पर अगर आपको बार–बार चक्कर आता है या सामने अंधेरा छाने लगता है, तो यह खतरनाक हो सकता है। दिल जब कमजोर हो जाता है तो वह शरीर में पर्याप्त ब्लड पंप नहीं कर पाता। इससे दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और चक्कर आने लगते हैं। यह संकेत दिल की ब्लड पंपिंग क्षमता में कमी का साफ संकेत हो सकता है।

पैरों में सूजन आना– पैरों या टखनों में सूजन आना भी एक गंभीर संकेत हो सकता है। जब दिल ठीक से काम नहीं करता तो शरीर का फालतू फ्लूइड बाहर नहीं निकल पाता। गुरुत्वाकर्षण के कारण यह फ्लूइड पैरों में जमा हो जाता है, जिससे सूजन आ जाती है। यह हार्ट फेलियर की ओर इशारा करता है।

हर वक्त थकावट महसूस होना– अगर आप बिना किसी खास काम के भी हमेशा थकान महसूस करते हैं तो यह सामान्य नहीं है। दिल का काम है शरीर के हर हिस्से में ऑक्सीजन पहुंचाना। जब दिल कमजोर हो जाता है और ब्लड ठीक से पंप नहीं कर पाता, तो शरीर की मांसपेशियों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। इससे मांसपेशियां कमजोर होती हैं और व्यक्ति हमेशा थका–थका महसूस करता है।

सांस फूलना और घबराहट– चलने, दौड़ने या सीढ़ियां चढ़ने पर सांस फूलना, घबराहट या बेचौनी महसूस होना और बैठते ही आराम मिलना ये सभी एक्सर्शनल डिस्पैसिया के लक्षण हैं। जब दिल की ब्लड पंप करने की क्षमता कम होती है, तो फेफड़ों में ब्लड जमा होने लगता है और शरीर को ऑक्सीजन कम मिलने लगती है। इससे सांस लेने में दिक्कत होने लगती है जो हार्ट अटैक के पहले का बड़ा संकेत हो सकता है।

छाती में भारीपन या जकड़न– छाती में लगातार भारीपन महसूस होना, जकड़न रहना या दर्द का गर्दन, जबड़े या बाएं हाथ तक फैलना ये सब एंजाइना के लक्षण हो सकते हैं।

जब दिल को पर्याप्त खून नहीं मिल पाता, तो यह लक्षण सामने आते हैं।

काले होठों को गुलाबी बनाने के लिए अपनाएं ये 3 आसान नुस्खे

आपके होंठ आपकी मुस्कान की खूबसूरती को और भी निखारते हैं। हर कोई चाहता है कि उसके होंठ प्राकृतिक रूप से गुलाबी और हेल्दी नजर आएं। लेकिन कभी–कभी टैनिंग, सूरज की तेज किरणों के संपर्क में आने, और अन्य कारणों से होंठों का रंग डार्क या काला हो जाता है। ऐसे में लोग लिपस्टिक या लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन हर वक्त इन्हें लगाना संभव नहीं होता। अगर आप भी अपने डार्क होठों से परेशान हैं तो आज हम आपके लिए कुछ घरेलू नुस्खे लेकर आए हैं जो आपके होंठों को नेचुरली गुलाबी बनाने में मदद करेंगे।

शहद, चीनी और नारियल तेल से होंठों की मसाज

शहद, चीनी और नारियल तेल ये तीनों चीजें आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। ये न सिर्फ आपके होठों की स्किन को नरम बनाएंगी बल्कि उनमें निखार भी लाएंगी। इसके लिए एक चम्मच शहद, एक चम्मच चीनी और एक चम्मच नारियल तेल को अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण से होठों की धीरे–धीरे 5 मिनट तक मसाज करें। मसाज करने के बाद होठों को गुनगुने पानी से धो लें। यह तरीका आपके होठों पर जमा हुई मृत त्वचा को हटाने में मदद करेगा और साथ ही होठों को मॉइश्चराइज भी करेगा।

हल्दी और दूध का प्राकृतिक पेस्ट

होठों को गुलाबी बनाने का दूसरा आसान तरीका है हल्दी और दूध। ये दोनों सामग्री आपकी रसोई में आसानी से उपलब्ध होती हैं। एक चम्मच दूध में एक चुटकी हल्दी डालकर अच्छी तरह मिलाएं ताकि एक पेस्ट तैयार हो जाए। इस पेस्ट को अपने होठों पर लगाएं और लगभग 5 से 10 मिनट तक छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से होठों को अच्छी तरह धो लें। हल्दी के एंटीसेप्टिक गुण और दूध के नैचरल मॉइश्चराइजिंग तत्व आपके होंठों को साफ और गुलाबी बनाने में मदद करते हैं।

गुलाब की पंखुड़ियों से बनाएं पेस्ट

गुलाब की पंखुड़ियां सौंदर्य में चार चांद लगाने वाली प्राकृतिक चीज हैं। कुछ गुलाब की पंखुड़ियों को लेकर उनका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने होठों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका होंठों को नेचुरली गुलाबी करने के साथ–साथ उन्हें नरम भी बनाता है।

अगर आप अपने होंठों की सुंदरता को नेचुरली बनाए रखना चाहते हैं तो ऊपर बताए गए घरेलू नुस्खों को नियमित अपनाएं। साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल को अपना कर आप अपने होठों को पिंक और खूबसूरत रख सकते हैं।

बुढ़ापे तक लीवर को जवां रखने का काम करती हैं ये 2 चीजें

हमारे शरीर में कई अंग दिन–रात काम करते हैं लेकिन लीवर (यकृत) वह मौन योद्धा है जो बिना शोर किए, हर पल हमें स्वस्थ रखने में लगा रहता है। यह न सिर्फ पाचन में मदद करता है बल्कि खून को साफ करने, विषैले तत्वों को बाहर निकालने, दवाओं को प्रोसेस करने और शरीर में पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखने जैसे सैकड़ों जरूरी काम करता है। जीवनशैली की छोटी–छोटी लापरवाहियां इस नाजुक अंग को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचा सकती हैं और जब तक इसके लक्षण सामने आते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है इसलिए जरूरी है कि हम लिवर की देखभाल को गंभीरता से लें। सही खानपान, फिजिकल एक्टिविटी और समय–समय पर जांच से ही इस जरूरी अंग को उम्र भर स्वस्थ रखा जा सकता है।

भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति लिवर की समस्या से ग्रस्त है। लिवर से होने वाली मौतों का आकंड़ा भी बढ़ता ही जा रहा है। फैटी लिवर, लिवर में पानी भरना जैसे कई समस्या अब आम है लेकिन अगर आप हैल्दी खाते हैं तो ना तो लिवर में किसी तरह की सूजन आएगी और ना ही फैट।

खान–पान का सबसे अहम रोल– बुढ़ापे तक जवां रहेगा लिवर

लिवर को हैल्दी रखने का अहम काम आपका खान–पान ही करता है। आप जो खाते हैं, वहीं आपके शरीर पर असर दिखाता है। कुछ चीजें ऐसी हैं जो आपके लिवर के लिए जहर हैं जैसे प्रोसेस्ड–तला भुना खाना, मैदा चीनी और ज्यादा नमक लेकिन कुछ फूड्स आपके लिवर के लिए वरदान भी हैं जो सालों साल आपके लिवर को ज्वां बनाए रखते हैं। इसे अपनी डाइट में आप रैगुलर शामिल करते रहे तो लिवर डिटॉक्स होता रहेगा।

चुकंदरः चुकंदर आपके लिवर के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। चुंकदर का जूस, सलाद जरूर खाएं।

ब्रोकोलीः ब्रोकोली इतनी फायदेमंद है कि ये आपके लिवर को डेमेज होने से बचाती है। फैटी लिवर से बचाती है। इसके अलावा आप केल,पालक और साग भी जरूर खाएं क्योंकि हरी पत्तेदार सब्जियां लिवर को डिटॉक्स करती है। चुकंदर और ब्रोकोली, ये दो चीजें तो रूटीन में अपनी डाइट में शामिल रखें।

बुढ़ापे तक लिवर को हेल्दी रखने वाले 10 असरदार फूड्स

1. हल्दी – इसमें करक्यूमिनहोता है जो लिवर को सूजन से बचाता है। लिवर को डिटॉक्स करने और बाइल जूस को बढ़ाने में मदद करता है।

2. लहसुन– सल्फर युक्त तत्व लिवर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। इसमें सेलेनियम भी होता है, जो लिवर को मजबूती देता है।

3. हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, ब्रोकोली, सरसों का साग दृ ये लिवर से टॉक्सिन्स निकालने में मदद करती हैं। इनमें क्लोरोफिल होता है जो लिवर की सफाई करता है।

4. चुकंदर– इसमें बीटालाइन्स नामक तत्व होता है जो लिवर को डिटॉक्स करता है। खून साफ करता है और लिवर की कोशिकाओं को रीजनरेट करने में मदद करता है।

5. अखरोट– ओमेगा–3 फैटी एसिड्स और ग्लूटाथियोन से भरपूर लिवर की सफाई में सहायक। खासकर फैटी लिवर की स्थिति में लाभदायक।

6. ग्रीन टी इसमें एंटीऑक्सीडेंट (कैटेचिन) होता है जो लिवर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है। लिवर फैट कम करने में मदद करता है।

7. सिट्रस फल – जैसे नींबू, संतरा, मौसंबी दृ विटामिन ब्और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में सहायक है।

8. सेब– इसमें पेक्टिन होता है जो पाचन को बेहतर करता है और लिवर पर बोझ कम करता है। कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित करता है।

पीड़ित परिवार की सहायता हेतु जिलाधिकारी ने किया चार सदस्यीय समिति का गठन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना अंतर्गत सा. मौ. मोहम्मदपुर कांध गांव में गत 25 मई 2025 को नेवादा हाईवे के पास निजी दुकान में लालजी गौतम, गुड्डू गौतम और यादवीर की मृत्यु से सम्बन्धित मार्मिक और संवेदनशील प्रकरण के सन्दर्भ में जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि पुलिस प्रशासन के द्वारा तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। स्व0 गुड्डू की पत्नी सरिता ने जिलाधिकारी से मिलकर अपने परिवार की सुरक्षा तथा अपराधियों की गिरफ्तारी आदि की मांग की, जिसपर जिलाधिकारी ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से बच्चों को लाभान्वित किया जायेगा, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित न हो तथा परिवारजन को पेंशन आदि का लाभ भी दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बहुत ही मार्मिक है। इस कठिन घड़ी में जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशील है तथा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ द्वारा लगातार घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि मृतक के नाबालिक बच्चों को भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास विभाग के मिशन वात्सल योजना के तहत स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक बच्चे को रु0 4000 महीना, 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दिया जाएगा। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा दोनों विधवा महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक महीने रु0 1000 मिलेगा तथा समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत दोनों परिवारों को रुपए 30–30 हजार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही उन्हें श्रम विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा एक चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है जिसमे बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी और सहायक श्रम आयुक्त सदस्य होंगे, जिनके द्वारा मृतक के घर पर जाकर उन्हें शासन की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु उनकी पात्रता के सम्बन्ध में सत्यापन करते हुए उन्हें राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पेंशन, शिक्षा आदि से सम्बन्धित योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित किया जाएगा।

आशनाई में युवक की चाकू से गोदकर हत्या मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को लिया कब्जे में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,28 मई।सिकरारा थाना क्षेत्र के समाधगंज बाजार में बुधवार अल सुबह बाइक से जा रहे युवक को बदमाशों ने रोक कर चाकू से मारकर युवक की चाकू घोंप हत्या कर दी गई। बदमाश तब तक वार करते रहे जब तक युवक मर नहीं गया। लाश की सूचना पाकर सिकरारा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बुधवार को घर से डी फार्मा की परीक्षा देने जा रहे छात्र अनुज यादव (21) पुत्र भोला यादव जमालपुर (छितरा) मछली शहर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मृतक छात्र घर से प्रसाद इंस्टीटयूट जौनपुर में परीक्षा देने के लिए घर से सात बजे निकला था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार समाधगंज बाजार से पहले कुरनी पंचायत भवन के सामने एक बाइक सवार युवकों ने सुबह सवा सात बजे छात्र पर चाकू से कई वार किए और मौके से फरार हो गए है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने बताया कि सिगरा थाना अंतर्गत समाधगंज बाजार के पास अनुज यादव निवासी जमालपुर मछली शहर को इस गांव के व्यक्ति मनोज यादव द्वारा चाकू मारकर हत्या कर दिया गया है घटना का संज्ञान लेते हुए तत्काल पुलिस मौके पर पहुंचकर मौका निरक्षण किया है घटना के कारणों के बारे में जानकारी की गई तो प्रथम दृश्य मामला आसनई या प्रेम प्रसंग का निकलकर सामने आ रहा है। पूरे मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है साथ ही अभी उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा तीन टीमों का गठन किया गया है संबंधित की गिरफ्तारी कर जल्दी घटना का अनवारण किया जाएगा।

बदमाशों ने व्यापारी को मारकर किया घायल,पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के कचगांव बाजार में बुधवार की सुबह बदमाशों ने एक व्यापारी को उसकी दुकान पर चढ़कर चाकू और पंच आदि में मारपीट कर घायल कर दिया। जब तक पुलिस पहुंचती तक हमलावर भाग निकले। कचगांव नगर पंचायत के वार्ड जेठपुरा निवासी अताउल्लाह अंसारी 52 ने बाजार में स्थित शराब ठीके के बगल में जूते चप्पल और जनरल स्टोर की दुकान खोल रखी है। सुबह करीब 11 बजे 5 बाइक से 11 की संख्या में लोग उनकी दुकान के सामने खड़े हुए और 6 लोग उनकी दुकान में अन्दर गये। और दुकान मालिक अताउल्लाह से कहा कि " काहें को मारे हो" कहक उन पर चाकू और पंच से उन पर वार कर दिया। व्यापारी की माने तो हमलावर असलहा भी लिये थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनका इलाज अस्पताल में कराया और मेडिकल कराते हुए तहरीर लेकर केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी मनोज राय ने बताया कि तहरीर लेकर केस को दर्ज कर लिया गया है। रोड की दुकान पर लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे की फुटेज को चेक किया जा रहा है।

रेलवे आरक्षण केंद्र पर कर्मचारियों के अभाव जनता परेशान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर रेलवे आरक्षण केंद्र पर कर्मचारियों के अभाव के कारण मात्र एक आरक्षण काउंटर के संचालन के कारण वर्ष में रेलवे यातायात के शिखर काल मे चलने के कारण दुर्व्यवस्था के साथ ही रेल उपभोक्ताओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञातव्य है जिला मुख्यालय के एक प्रमुख स्टेशन जौनपुर जंक्शन पर संचालित आरक्षण केंद्र में तत्काल की सुविधा के साथ पूर्व में दो पाली में दो काउंटर पर आरक्षण की सुविधा मिलती थी जिसमे अप्रैल माह में कर्मचारियों की भारी संख्या में स्थान्तरण के बाद बिना उनके जगह स्थानांतरित होकर आए कर्मचारियों के आने के बगैर जौनपुर जं के कार्यरत कर्मचारियों को रेल प्रशासन द्वारा आनन फानन में कार्यमुक्त कर देने से कर्मचारियों की कमी के कारण दुर्व्यवस्था चरम पर पहुंच गई जिसके कारण रेल उपभोक्ताओं महिलाओं बच्चों रोगियों दिव्यांगों को आरक्षण टिकट लेने के लिए भारी असुविधा हो रही है। उक्त सन्दर्भ में रेल उपभोक्ताओं का प्रतिनिधि मंडल व्यापारी नेता दीपक श्रीवास्तव के नेतृत्व में जौनपुर के जनप्रतिनिधियों से एक मांग पत्र सौंपकर इस दुर्व्यवस्था को दूर करने के लिए रेलमंत्री से अपील के साथ ही इसके लिए जिम्मेदार रेल अधिकारियों का शिकायत करेगा। प्रतिनिधि मंडल में गिरीश शुक्ल , अभिषेक , सुनील सिंह ग्राम प्रधान,राम प्रकाश सिंह, गौरव जायसवाल, अजीत श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, राजेन्द्र सिंह, अमित श्रीवास्तव आदि व्यापारी सम्मलित है।

डीएम ने बैंक ऑफ इंडिया व इंडियन बैंक को लगाई फटकार, पीएनबी की सराहना की

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) प्रदेश को वन ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने व युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान की शुरुआत की गयी, जिसके अंतर्गत 21–40 वर्ष आयु के युवाओं को 5 लाख रूपये तक का बिना गारंटी ऋण प्रदान किया जाता है। जनपद में लक्ष्य के अनुरूप अभियान की प्रगति के सम्बन्ध में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में विवेकानंद सभागार में समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि 3, 4 व पाँच जून को विभिन्न विकास खण्डों व निकायों अभियान को लेकर कैम्प लगाए जाएं। योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये। सोशल मीडिया का भी प्रयोग किया जाये। ऋण स्वीकृति में अनावश्यक देरी न की जाये। किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही के लिए सम्बंधित की जवाबदेही तय की जाये। आवेदनों के निस्तारण में बैंक ऑफ इंडिया व इंडियन बैंक की खघ्राब स्थिति पर उन्होंने नाराजगी जतायी। पंजाब नेशनल बैंक की निस्तारण की अच्छी स्थिति पर उन्होंने बैंक की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह व एलडीएम अरविन्द रंजन आदि उपस्थित रहे।

भारत के क्रांतिकारी वीर सावरकर की जयंती मनाई गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नगर के हनुमान घाट पर राष्ट्रवीर सेना द्वारा भारत के क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, चिन्तक, समाजसुधारक, इतिहासकार, कवि, ओजस्वी वक्ता तथा दूरदर्शी राजनेता वीर सावरकर की जयंती मनाई गई।राष्ट्रवीर सेना अध्यक्ष महेश कुमार ने वीर सावरकर जी की कविता से प्रारम्भ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अजय उपाध्याय ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों से सभी को प्रभावित किया शिवम् जायसवाल ने भी उनके जीवनकाल मे घटे घटनाक्रम पर चर्चा किया कार्यक्रम में उपस्थित रोहित साहू डॉ सूरज जायसवाल नीरज सेठ सौरभ सोनी ओमप्रकाश गुप्ता मंगल सेठ प्रीतम सेठ शुभम् जी आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

वैज्ञानिकों के लिवर की हुई जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) में सोमवार को निशुल्क लिवर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें केजीएमयू के मेडिसिन विभाग के चिकित्सक प्रो. सत्येंद्र सोनकर व उनकी टीम ने संस्थान के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और कर्मचारियों के लिवर की जांच की। सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन के निर्देशन में संस्थान के लगभग 170 वॉलंटियर्स ने इस स्वास्थ्य जांच शिविर में हिस्सा लिया। इस शिविर में आवश्यकतानुसार इन वॉलंटियर्स के लिवर फंक्शन जांच, लिवर फाइब्रोस्कैन और अन्य जांचें की गईं।

हड़ताल से पहले 40 विद्यार्थियों का स्मार्ट मीटर इस्टॉलर के पद पर चयन

लखनऊ, (संवाददाता)। बिजली विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल से पहले राजधानी में 40 स्मार्ट मीटर इंस्टॉलर के पद पर युवाओं का चयन किया गया है। हालांकि, निजी एजेंसी के जरिये इनकी भती की गई है। अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई में सोमवार को रोजगार मेले में साक्षात्कार के बाद इनका चयन हुआ। आईटीआई में प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि कंपनी क्यूसेस विनिंग टुगेदर में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलर और हेल्पर के 500 पदों पर हाईस्कूल व आईटीआई पास युवाओं को नौकरी देने के लिए इंटरव्यू हुए। हालांकि, पद के सापेक्ष युवाओं के न पहुंचने से निराशा जरूर हुई। मेले में 73 प्रशिक्षार्थियों ने पंजीकरण किया। साक्षात्कार के बाद 40 को चुना गया। इन्हें 15 से 18 हजार रुपये महीने का वेतन मिलेगा। रोजगार से वंचित रहे विद्यार्थियों के लिए परिसर में 31 मई को रोजगार मेला लगाया जाएगा। इच्छुक दस्तावेज के साथ रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। मोहनलालगंज राजकीय आईटीआई से प्रशिक्षण कर चुके संतोष कुमार रोजगार मेले में शामिल हुए। कंपनी की ओर से बताया गया कि पुराने की जगह नए स्मार्ट मीटर लगाने का काम दिया जाएगा। अलीगंज राजकीय आईटीआई से इलेक्ट्रिशियन की पढ़ाई कर चुके अभिनव ने बताया कि दूसरी बार रोजगार मेले में शामिल हुए हैं। इस बार चयन हो गया है।

सरोजनीनगर तहसील में दिया धरना

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सरोजनीनगर तहसील में धरना दिया। संगठन के तहसील अध्यक्ष बद्री प्रसाद रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरसवां स्थित चकमार्ग संख्या 761 व 739 की पैमाइश के लिए 19 अक्तूबर 24 को पत्र लिखा गया था। इसके बाद 20 दिसंबर को पैमाइश हुई, लेकिन लेखपाल ने 17 मई को गलत रिपोर्ट लगा दी। इससे चकमार्ग पर कब्जा जारी है। उन्होंने कहा कि गोमती तट पर लाखों रुपये कीमत के बनाए सरकारी श्मशान घाट के चकमार्ग पर बिल्डरों का कब्जा है। शिकायत के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई। अन्य शिकायतों व समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद धरना खत्म हुआ।

शिव की अनन्य भक्त अहिल्याबाई का लोक कल्याणकारी आदर्श शासन थारूअसीम अरुण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर जन्मतिथि शताब्दी पर रसखान प्रेक्षागृह में जिला पंचायत सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग मंत्री असीम अरुण ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जी का जीवन शौर्य, साधना, सेवा, समर्पण, संयम और सादगी की मिसाल था और भाजपा ऐसे दिव्य विभूतियों के आदर्शों और आचरणों को आत्मसात कर निरंतर जनकल्याण के मार्ग पर अग्रसित है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सत्येंद्र सिंह राजपूत ने किया। पंचायत सम्मेलन में पहुंच गांव पुरवों से आई जनता को संबोधित करते हुए मंत्री असीम अरुण ने कहा कि अहिल्याबाई जिस परिवेश से आई थी, उस कालखंड में अपना कद इतना बड़ा बना लेना कोई सामान्य बात नहीं थी। अंग्रेजों के फैलते साम्राज्यवाद और बांटों – राज करों की नीति के आगे बड़े बड़े राजा धराशाई हो गए, उस कालखंड में समाज के आखिरी पायदान की एक सामान्य घर की बिटिया के संस्कारों से सम्मोहित हो मालवा के राजा ने अपनी पुत्रवधू बनाया। कहा कि अहिल्याबाई की अद्वितीय शासन कला सामाजिक न्याय, सास्कृतिक राष्ट्रवाद और धार्मिक आस्था ने एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणादायी है। आज राजमाता अहिल्याबाई की जयती के 300 वर्ष के पावन अवसर पर उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन करते हुए हमें यह शुभ अवसर प्राप्त हुआ है कि हम उनके महान व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उनसे प्रेरणा लें। राजमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को एक नई दिशा दिखाई। उनकी न्यायप्रियता प्रशासनिक क्षमता और धार्मिक सहिष्णुता ने उन्हें एक आदर्श शासक बनाया। पति की मृत्यु के बाद उन्होंने अपने राज्य की बागडोर संभाली और मालवा क्षेत्र को समृद्धि और सुरक्षा प्रदान की। कहा कि राजमाता अहिल्याबाई को लोकमाता और पुण्यश्लोका के रूप में ख्याति प्राप्त है। शिव की अनन्य भक्त अहिल्याबाई का लोक कल्याणकारी शासन भूमिहीन किसानों, भीलों जैसे जनजातीय समूहों तथा विधवाओं के हितों की रक्षा करने वाला एक आदर्श शात्तन था। समाज सुधार, कृषि सुधार जल प्रबंधन, पर्यावरण रक्षा, जनकल्याण और शिक्षा के प्रति समर्पित होने के साथ–साथ उनका शासन न्याय प्रेमी था। समाज के सभी वर्गों का सम्मान, सुरक्षा, प्रगति के अवसर देने वाली समरसता की दृष्टि उनके प्रशासन का आधार थी। इन्हीं लोक कल्याणकारी कार्यों के कारण उन्हें लोकमाता कहा गया। कहा कि संपूर्ण देश के मंदिरों की पूजा व्यवस्था और उनके आर्थिक प्रबंधन पर भी उन्होंने विशेष ध्यान दिया।

जागरण देखने गए युवक की चाकू से गोदकर हत्या, खून से लथपथ लाश देख चीख उठे घरवाले

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार की रात जागरण देखने गए युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। खून से लथपथ उसका शव बीच खड़ंजे में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। पुलिस को मौके से वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है। पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना शिवगढ़ क्षेत्र के ओझी गांव की है। गांव निवासी कर्मराज मिश्र के पुत्र आकाश मिश्र (24) की हत्या हुई है। वह अपनी मां आशा देवी के साथ गांव के ही मेवालाल प्रजापति के यहां जागरण कार्यक्रम देखने गया था। बताया गया कि रात करीब 11 बजे आकाश के मोबाइल पर किसी का फोन आया। इसके बाद वह कार्यक्रम स्थल से निकल गया। उधर, देर रात जब कार्यक्रम खत्म हुआ तो लोग घर जाने के लिए निकले। रास्ते में खड़ंजे पर आकाश का शव खून से लथपथ पड़ा था। इस पर ग्रामीणों की चीख निकल गई। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। उसके पेट, सीने व सिर में चोट के गहरे निशान मिले हैं। वहीं बगल में बने राजमनी के खाली घर की फर्श पर खून बिखरा मिला है। आशंका जताई जा रही है कि उसी घर में हत्या करके शव को रास्ते में फेंक दिया गया है। पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी बताया गया कि आकाश दिल्ली में चांदनी चौक में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था। शुक्रवार को ही वह घर आया था। इंस्पेक्टर पंडित त्रिपाठी ने बताया कि वारदात में प्रयुक्त चाकू घटनास्थल पर ही मिल गया है। पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

कृषि विभाग से सेवानिवृत्त क्लर्क और युवक ने लगाया फंदा

लखनऊ, (संवाददाता)। तालकटोरा में सोमवार सुबह राजाजीपुरम ई ब्लॉक निवासी कृषि विभाग से सेवानिवृत्त क्लर्क अनिल रस्तोगी (64) ने अपने मकान की छत पर फंदा लगा लिया। उधर, मदेयगंज के खदरा निवासी शिवम (22) ने रविवार को रात में आत्महत्या कर ली। दोनों घटनास्थलों से पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। अनिल के बेटे आनंद ने बताया कि सुबह नौ बजे पिता पौधों में पानी डालने छत पर गए थे। कुछ देर बाद वह कमरे में गए तो देखा कि पिता पंखे से गमछे के सहारे लटके हुए थे।

जेसीबी से कुचलकर चालक की हत्या, लोडर के नीचे दबाया शव

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी के सकरा गांव के पास तालाब की मेड़बंदी का काम कर रहे चालक राज कश्यप की जेसीबी से कुचलकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को जेसीबी के लोडर के नीचे दबा दिया। सोमवार सुबह तालाब के पट्टा धारक ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। राज के भाई सागर कश्यप की तहरीर पर काकोरी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की है। इंस्पेक्टर सतीश राठौर के मुताबिक गांव की नई कॉलोनी स्थित ग्राम समाज के सरकारी तालाब का पट्टा आर्यन प्रताप सिंह को 2019 से 2029 तक मछली पालन के लिए आवंटित है। इसकी मेड़बंदी के लिए 30 अप्रैल से जेसीबी से काम कराया जा रहा था। साथ में पांच ट्रैकर मिट्टी डालने के लिए भी लगाए गए थे। रात में ट्रैक्टर चालक वाहन वहीं छोड़कर घर चले जाते थे। जेसीबी चालक काकोरी के शेख शादी मोहल्ला निवासी राज कश्यप रात में वहीं रुकते थे। आर्यन के पार्टनर अमेठिया गांव निवासी राजा रावत और हीरो हैं।

रविवार रात शराब पार्टी में हुआ था झगड़ा

पुलिस जांच में सामने आया कि रविवार रात तालाब पर आर्यन प्रताप सिंह के पार्टनर राजा रावत का जन्मदिन मनाया गया था। पार्टी में खाना और शराब का इंतजाम था।

प्रॉपर्टी डीलर पर गोलियां बरसाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। सर्वोदय नगर में खाना खिलाने को लेकर हुए विवाद के बाद बाराबंकी निवासी प्रॉपर्टी डीलर मुर्सलीन पर गोलियां बरसाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में मुर्सलीन का चचेरा बहनोई भी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी, एक पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। एडीसीपी पूर्वी पंकज कुमार सिंह का कहना है कि अन्य हमलावरों की तलाश जारी है। एडीसीपी ने बताया कि वारदात में शामिल मुख्य आरोपी सेक्टर–7 विकासनगर निवासी अरशल गाजी और शिवपुरी कॉलोनी इंदिरानगर निवासी फैज अली को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी अरशल घायल मुर्सलीन का चचेरा बहनोई है। अरशल का साथी फैज हाल में ही जेल से छूटकर आया था। विभूतिखंड पुलिस ने पिछले साल उसे हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दोनों के खिलाफ गाजीपुर पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा बढ़ाई है। फैज पर अलग–अलग थानों में आठ मुकदमे दर्ज हैं। मुर्सलीन पर भी दो एफआईआर हैं। मुर्सलीन के भाई बाराबंकी के बहरौली निवासी असलम ने मामले में अरशल, फैज, फैसल, समृद्ध, अजय, फैजल, शादाब व अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया था। पूछताछ में अरशल ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर में सर्वोदयनगर में बालाजी भोजनालय पर खाना खाने को लेकर मुर्सलीन से झगड़ा हुआ था।

अरशल और उसके साथी मुर्सलीन की तलाश कर रहे थे। इसी बीच शाम के वक्त वह कार से जाते नजर आया। पीछा करने पर मुर्सलीन निर्माणाधीन बिल्डिंग की ओर भागा, लेकिन हमलावरों ने उसे दौड़ाकर गोली मार दी। मुर्सलीन को तीन गोलियां लगी थीं। पूछताछ में अरशल ने अपने साथियों फरमान, नदीम, समृद्ध और अनिमेष का नाम लिया है।

पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्र ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की उपस्थिति में किया "क्रेडिट आउटरीच" कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्र दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पधारे। श्री चंद्र घ्द्वारा विशिष्ट ग्राहकों के साथ बैठक कर उनके अनुभावों को सुना और सर्वश्रेष्ट बैंकिंग ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्धता जताई। अपराह्न में लखनऊ अंचल के अधीनस्थ सभी स्टाफ सदस्यों के साथ इन्दिरा गांधी प्रतिस्थान, गोमती नगर, लखनऊ में टाउन हॉल बैठक कर, बैंक से संबन्धित नवीनतम जानकारियां एवं स्टाफ सदस्यों से संबन्धित कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए कहा कि हमें बैंकिंग में सर्वश्रेष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करना है। ग्राहकों के शिकायतों को तुरंत समाधान करते हुए हमें ग्राहकों को सभी प्रकार के वित्तीय सहयोग प्रदान करना है और उनके सभी अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। हमें बैंक का कासा, अग्रिम, परिचालन लाभ बढ़ाना है और एनपीए कम करना होगा। इस अवसर पर लखनऊ अंचल के अंचल प्रबन्धक श्री मृत्युंजय के साथ अंचल व अंचल के अधीनस्थ सभी मंडलोंध्कार्यालयों के उच्चाधिकारी एवं बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। अशोक चंद्र द्वारा वित्त मंत्री, उ. प्र., सुरेश खन्ना की गरिमामयी उपस्थिती में इन्दिरा गांधी प्रतिस्थान, गोमती नगर, लखनऊ में मेगा "क्रेडिट आउटरीच" कार्यक्रम किया, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) योजना के अंतर्गत 1100 स्वयं सहायता समूहों को घ्30 करोड़ का वित्तीय सहायता प्रदानध्ऋण वितरित किए, पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत 80 लाभार्थियों को राइस, तेल आटा मिल खोलने हेतु वित्तीय सहायता प्रदानध्ऋण वितरित किए गए और सीएम युवा योजना के अंतर्गत 3000 लाभार्थियों घ्150 करोड़ के ऋण वितरित किए गए। वित्त मंत्री, उ. प्र., सुरेश खन्ना ने पंजाब नैशनल बैंक द्वारा उत्तर प्रदेश में किए जा रहे बैंकिंग कार्यों की भूरि–भूरि सराहना की बताया की यह कार्यक्रम उनके व्यवसाय को बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। श्री चंद्र ने बताया कि पीएनबी अपने ग्राहकों को अधिकाधिक डिजीटल बैंकिंग सुविधा प्रदान करना व नकदी रहित कैशलेस लेन देन पर जोर दे रहा है ताकि ग्राहकों को हर छोटी–छोटी जरूरतों के लिए चाहे व्यक्तिगतध्आवास ऋण सुविधा हो या अन्य कोई बैंकिंग सुविधा, बैंक के चक्कर नहीं काटने पड़े व भीड़भाड़ से भी बच सकें और वे अपने स्तर पर ही इस सुविधा के जरिए अपने कार्य निपटा सकें। इससे न केवल उन्हें त्वरित एवं सस्ती सेवा मिलेगी बल्कि वे डिजीटल व पारदर्शी बैंकिंग सेवाओं के प्रयोग के लिए प्रेरित भी होंगे। लखनऊ के एडवांस लर्निंग इंस्टीट्यूट में स्थित पहले शिशु सदन व वित्तीय सेवाओं की बढ़ती मांग एवं मध्यम आकार के ऋण कॉर्पोरेट की आवश्यकताओं को देखते हुए एक अतिरिक्त मिड कॉर्पोरेट केंद्र का उद्घाटन किया। उसके उपरांत श्री चंद्र ने अंचल कार्यालय सभागार में अंचल कार्यालय, मण्डल कार्यालयों, एमसीसी और पीएलपी प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की और जोर दिया की पीएनबी द्वारा हर तबके के लोगों को हरसंभव वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाए और उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने में अहम भूमिका निभाए।

जापान–कनाडा के डॉक्टर इंडो–जैपनीज मीटिंग में हृदयरोग इलाज पर करेंगे मंथन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।हमारा खान–पान और रहन–सहन दिल को लगातार कमजोर कर रहा है। ऐसे में हृदय से जुड़ी बीमारियों के आधुनिक इलाज की जरूरत महसूस हुई। इस जरूरत को पूरा करता है इंडो–जापानीज सीटीओ क्लब। जहां भारत और जापान के शीर्ष हृदय रोग विशेषज्ञ प्रतिवर्ष मीटिंग के माध्यम से विभिन्न केस और उनके इलाज पर अपना अनुभव साझा करते हैं। इससे बड़ी संख्या में हृदय रोग चिकित्सक वरिष्ठ डॉक्टर्स के अनुभव का लाभ उठाते हैं। 30 मई से 1 जून 2025 तक सालाना मीटिंग लखनऊ में आयोजित की जाएगी होगी। इस वर्ष क्रॉनिक टोटल ऑक्लूजन (ब्ज्व्) को कैसे खोला जाए, इसी विषय पर चर्चा होगी और इससे जुड़े केसेज पर डॉक्टर्स विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें भारत के साथ–साथ जापान, नेपाल और श्रीलंका समेत विभिन्न देशों से भी डॉक्टर्स भाग लेने आएंगे। औसतन प्रति वर्ष इस मीटिंग को 600 से 700 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के डॉक्टर्स अटेंड करते हैं। इस साल भी अब तक 600 से ज्यादा डॉक्टर्स रजिस्टर कर चुके हैं। यह एक ऐसी विशेषज्ञता है जिसमें बेहतर होने से दिल की नस के बंद होने पर भी बायपास सर्जरी से बचा जा सकता है और जीवन रक्षा की जा सकती है।

जापानी चिकित्सक इस क्षेत्र में लीडर रहे हैं। यह क्लब वर्ष 2013 से चल रहा है। कोविड के कारण दो वर्ष क्लब की मीटिंग स्थगित रही। हालांकि, उसके बाद से यह लगातार जारी है। इस वर्ष की मीटिंग में जापान से डॉ. मसाहिसा यामाने, डॉ. केन्या नासु, डॉ. शंशुके मात्सुनो और डॉ. वातारु नागामात्सु, तथा कनाडा से डॉ. संजोग कालरा अपने अनुभव साझा करेंगे। कोर्स डायरेक्टर्स में डॉ. पी.के. गोयल (लखनऊ), डॉ. एन. प्रताप कुमार (तिरुवनंतपुरम), डॉ. सूर्य प्रकाश राव (हैदराबाद) और डॉ. ए.वी. गणेश कुमार (मुंबई) भी इसमें शामिल रहेंगे। आईजेसीटीओ के कोर्स डायरेक्टर लूखनऊ के डॉ. पी.के. गोयल ने बताया कि अगर हृदय की नस पूरी तरह बंद है, तो कई बार ऐंजियोप्लास्टी मुमकिन नहीं होती है इसलिए बायपास सर्जरी करनी पड़ती है लेकिन सीटीओ की इंटरवेंशन तकनीक से हम बंद नस को भी खोल सकते हैं। जिन डॉक्टर्स की इसमें एक्सपर्टीज होती है वो ऐंजियोप्लास्टी से ही बंद नस को खोल सकते हैं। इसमें बायपास सर्जरी करने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय डॉक्टर्स को इस क्षेत्र में बहुत उच्च स्तर की विशेषज्ञता प्राप्त है। इसी विशेषज्ञता को फैलाने के लिए हमने इसकी शुरुआत की ताकि और डॉक्टर्स इस तकनीक में दक्ष हों और जब किसी जटिल स्थिति में परेशानी का सामना करें तो हमसे बेझिझक संपर्क भी कर सकें। इस तरह हम सभी मिलकर अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचा सकते हैं।

कृषि लागत घटाने एवं उपज बढ़ाने में प्रसार की अहम भूमिका

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कृषि भवन सभागार में आत्मा योजना अंतर्गत गठित जिला कृषक सलाहकार समिति सत्र 2025–26 की प्रथम बैठक बुधवार को कृषि भवन सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर उप परियोजना निदेशक आत्मा डा0 रमेश चंद्र यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है, कृषि एवं किसानों के बीच विकास का प्रसार सबसे अहम भूमिका है। सरकार की कोशिश है कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी संस्थान एक साथ मिलजुल कर कार्य करें तो कृषि क्षेत्र में जरूर विकास होगा। उन्होंने जनपद कृषि कार्य योजना प्रस्तुत किया, जिसमें अंतराज्यीय कृषक प्रशिक्षण के लिए पांच कृषक प्रति ब्लॉक 7 दिन, राज्य के अंदर प्रशिक्षण 16 कृषक प्रति ब्लॉक पाच दिन, आवासीय प्रशिक्षण एवं जिले में ग्राम स्तर पर 220 कृषक प्रति ब्लॉक 2 दिन एवं 10 युवक कृषक प्रति ब्लाक एक दिवसीय कराया जाना प्रस्तावित किया गया है। क्लस्टर प्रदर्शन 0.4 हेक्टेयर के लिए 1680 प्रदर्शन कृषि विभाग तथा सहयोगी विभागों को जैसे उद्यान को 168,पशुपालन को 168, मत्स्य विभाग को 104, कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा एवं अमहित को 200–200 प्रदर्शन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है,उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु कृषको का भ्रमण के लिए अंतराज्यीय कृषक भ्रमण तीन कृषक प्रति ब्लॉक 7 दिन के लिए राज्य के अंदर 16 कृषक प्रति ब्लॉक 5 दिन के लिए एवं जिले के अंदर भ्रमण के लिए 60 कृषक प्रति ब्लाक एक दिन के लिए लक्ष्य रखा गया है। कृषकों की क्षमता विकास के लिए 10 समूह प्रति ब्लॉक, सीड मनी में तीन समूह प्रति ब्लॉक एवं फूड सिक्योरिटी ग्रुप महिला दो समूह प्रति ब्लॉक की कार्य योजना तैयार की गई है। सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार हेतु पांच कृषक प्रति ब्लॉक तथा जिले स्तर पर 32 कृषकों को सम्मानित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। समिति के सदस्यों द्वारा कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए अनुमोदित किया गया। इस मौके पर विनय मिश्र, मिथिलेश सिंह, संजय पाठक, आनंद सिंह, रजनीश सिंह, रामदुलार सिंह, रघुनाथ यादव आदि समिति के सदस्य मौजूद रहे।

प्रदेश कार्यालय लखनऊ पर, राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल का मनाया गया जन्मदिन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।प्रदेश कार्यालय लखनऊ पर राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल का जन्मदिन मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी द्वारा भव्यता से बनाया गया, राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे मुख्य अतिथि

के तौर पर उपस्थित रहे। रजनीकांत मिश्रारमावती तिवारी प्रीति श्रीवास्तव नम्रता शुक्ला चंद्रकांत अवस्थी जी, पी के पाठक, सम्राट सिंह चौहान जी सत्य प्रकाश तिवारी जी अन्य सैकड़ो की तादाद में पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर रोहित अग्रवाल ने उपस्थित पदाधिकारियों के साथ भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को माल्यार्पण कर चौधरी चरण सिंह अमर रहे चौधरी अजित सिंह अमर रहे व जयंत चौधरी जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

'धूमधाम से निकली कलश यात्रा, झूमे लोग'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' विकास क्षेत्र ददरौल के अंतर्गत इटौरा मजरा बंजर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक चेतन्य स्वरूप श्रीवास्तव श्राजू लाला श हैं। श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ मंगलवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम की

तैयारी सुबह से ही शुरू हुई। गाजे बाजे के बीच निकली कलश यात्रा में भक्ति का माहौल बना रहा। हर तरफ वातावरण में जयकारे की गूँज सुनाई पड़ रही थी। दोपहर के बाद बड़ी धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। भक्ति गीतों के बीच आगे –आगे कलश यात्रा में शामिल लोग अबीर गुलाल उड़ा रहे थे तो पीछे कलश लिए महिलाएं व बालिकाएं आगे बढ़ रही थीं। लोग यज्ञ स्थल से साहबगंज पुलिया ,बंजर,इटौरा होते हुए गर्रा नदी घाट स्थल पहुंचे। जहाँ मंत्रोचारण के बीच गर्रा नदी के जल से कलश भरे गए फिर यहाँ से इटौरा ,गौटिया होते हुये यात्रा वापस यज्ञ स्थल पर पहुंची।जहाँ पर विधिविधान के साथ कलश स्थापित कराया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के आश्रम में लड़कियों के लिए सर्वांगीण सुसंस्कार शिविर शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लड़कों के समान लड़कियों को भी सर्वांगीण सांस्कृतिक शिक्षा मिले तथा वे लड़कों से कहीं भी पीछे न रहें, इस उद्देश्य से महाराष्ट्र के महान स्वतंत्रता सेनानी राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के आश्रम, राष्ट्रसंत अध्यात्म केंद्र, दासटेकड़ी (गुरुकुंज–मोझरी), जिला अमरावती में लड़कियों के लिए आवासीय सर्वांगीण सांस्कृतिक सुसंस्कार शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया है। युवा पीढ़ी को संस्कार देकर अच्छा बनाने का सफल प्रयास आचार्य हरिभाऊ वेरुळकर गुरुजी कर रहे है। चालीस साल से बच्चो के लिए संस्कार शिविर रखकर बच्चे संस्कारित बने देश धर्म के काम आये माता पिता का सन्मान करना सिखे गुरुजन के साथ अच्छा व्यवहार करे,स्वालंबी बने इस शिविर का आयोजन १९८१ मे शुरू किया था। आज तलक ढाई लाख बच्चे संस्कार लेकर शिविर से गये है। 15 जून तक करीब 70 शिविर निवासी अनिवासी महाराष्ट्र के अलग अलग जिले मे चलते है शिविर मे तीन साल आये हुए बच्चे आगे जाकर शिक्षक बनकर बच्चो को शिक्षा दिलाते है उसमे लडकिया भी सम्मिलित होती है पढाई करते करते अपना कुछ समय निकाल कर हर चाल बच्चे को संस्कार देणे के लिये युवा आगे आ रहे है बच्चे शिबिर से निकल कर डॉक्टर इंजिनिअर वकील राजनेता टीचर प्रोफेसर उद्योगपती किसान सब बन रहे है लेकिन शिबिर के बाद कुछ समय निकाल कर छोटे बच्चो को अपने जैसे बनाने का प्रयास करते रहते है आज समाज मे महिलाओं का शोषण महिलाओ के अत्याचार इसलिये महिला लडकिया खुद का रक्षण करे साथ ही अच्छे शिक्षा प्राप्त करे इसलिये आयोजन हरसाल आश्रम में बच्चो का इक्कीस दिन और लडकियों का 12दिन नांदुरा आश्रम बुलढाणा और मोझरी आश्रम दोनो मे लडकियो के शिबिर चल रहे है नांदुरा में 85लडकिया है मोझरी शिबिर का उद्घाटन समारोह राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के अनुयायी आचार्य हरिभाऊ वेरुलकर गुरुजी की अध्यक्षता में कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। श्री गुरुदेव राष्ट्रधर्म प्रचार संस्था, दासटेकड़ी गुरुकुंजद्वारा आयोजित इस शिविर के उद्घाटन के अवसर पर उद्घाटनकर्ता के रूप में श्री गुरुदेव सेवा मंडल के आजीवन प्रचारक आचार्य हरिभाऊ वेरुलकर गुरुजी तथा उद्घाटनकर्ता के रूप में डॉ. रूपालीताई ठोसर और मुख्य गणमान्य व्यक्ति के रूप में डॉ. निकिताताई मुंडाले, वेणुताई पन्नासे, सुश्री कमलताई गुडधे, डॉ.नरेंद्र मुंडाले, महादेव कांडलकर, सीताराम गुंडवाले महाराज आदि मान्यवर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक रवींद्र ढवले, सूत्रसंचालन शिविर–प्रमुख सुश्री कविता येनुरकर और धन्यवाद ज्ञापन सारिका राऊत द्वारा दिया गया। करीब 12 दिनों तक चलने वाले इस शिविर में बौद्धिक, व्यायाम, भजन एवं संगीत की शिक्षा दी जा रही है। इस शिविर में विदर्भ के बुलढाणा, वाशिम, अकोला, यवतमाल, अमरावती, वर्धा, चंद्रपुर, नागपुर, गोंदिया, भंडारा, गढ़चिरौली सहित मराठवाड़ा, ठाणे, पुणे, बीड, हिंगोली आदि 15 जिलों की कुल 100 लड़कियों ने नामांकन कराया है। करीब 12 दिनों तक चलने वाले इस शिविर में शिविर–प्रमुख कविता येनूरकर, लेजिम शिक्षिका श्रद्धा हर्षे, कराटे शिक्षिका पौर्णिमा ठाकरे, लाठीकाठी शिक्षिका, भाग्यश्री कापगते, सहायक स्वरा बाईस्कर,नयना ठाकरे. व्यवस्थापक रवी वानखेडे,रवी ढवळे ,गणेश दरवरे रुपेश मोरे,अभीनव काळें

कूल्हे का प्रत्यारोपण नई विधि डायरेक्ट इंटेरिया अप्रोच से किया गया : डॉ. अभिषेक पाण्डेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शाहमीना रोड स्थित शारदा नारायण शिप्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, में हड्डी रोग विशेषज्ञ (सर्जन) डॉ अभिषेक पांडेय द्वारा कूल्हे का प्रत्यारोपण नई विधि डायरेक्ट इंटेरिया अप्रोच से किया गया। डॉ पांडेय ने फ्रांस और साउथ कोरिया देशों में भी सर्जरी की है। इस तकनीक का इस्तेमाल कुछ गिने चुने हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डॉक्टर ही करते है। इस तकनीक में छोटा चीरा लगाया जाता है जिससे मांशपेशियों को कोई नुकसान नही होता। दर्द बहुत कम और कूल्हे के डिसलोकेशन की संभावना बहुत कम रहती है। अगले दिन ही मरीज चल फिर सकता है। इस विधि में रक्त श्राव नही होता। साथ ही ऑपरेशन के बाद तकिया के उपयोग की आवश्यकता नही होती। और कूल्हे के जोड़ को अधिक स्वतंत्रता से घुमाया जा सकता है। शारदा नारायण शिप्स, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ संजय सिंह ने जानकारी दी।

रिटायर्ड अमीन हत्याकांड 72 घंटे के भीतर ही एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने किया खुलासा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।थाना क्षेत्र तारुन के बारा गांव में रिटायर्ड अमीन की हत्या का खुलासा एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बुधवार को पुलिस लाइन मे स्थित सभागार मे आयोजित पत्रकार वार्ता मे किया।बताया कि इस हत्याकांड का खुलासा थाना तारुन व एसओजी की संयुक्त टीम ने 72 घंटे की भीतर कर इस हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी महिला व उसके पुत्र समेत दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।इसके साथ ही साथ इसमें शामिल आला कत्ल भी पुलिस ने बरामद कर लिया।उन्होंने बताया कि शनिवार की देर रात थाना तारुन ग्राम बारा निवासी मृतक कर्मराज यादव पुत्र स्व0 दूधनाथ यादव की जमीनी रंजिश मे हत्या कर दी गई थी।रविवार को प्रातः पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बारा निवासी कर्मराज यादव पुत्र स्व0 दूधनाथ यादव का रक्तरंजित शव उनके ट्यूबेल पर उनके विस्तर पर पड़ा हुआ है।सूचना पाते ही एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ बीकापुर पीयूष,थानाध्यक्ष तारुन संदीप त्रिपाठी घटनास्थल पर पहुंच कर छानबीन मे जुटे रहे बताया कि खुलासे के लिए थाना तारुन के साथ साथ एसओजी टीम को लगाया गया था।इस मामले मे पुलिस ने सीसीटीवी व अन्य इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों की मदद से आलोक तिवारी पुत्र रामनायक तिवारी निवासी ग्राम बनघूसरा बेलगरा थाना तारुन जनपद अयोध्या,अभियुक्ता महिला कृष्णावती पत्नी स्व0 रामधीरज निवासी ग्राम बारा थाना तारुन जनपद अयोध्या पूछताछ के दौरान अपनी जुर्म स्वीकार कर लिया।आरोपी ने बताया कि मृतक कर्मराज ने अभियुक्ता श्रीमती कृष्णावती के ससुर वंशराज से 12 बीघा जमीन अपने नाम बैनामा करवा लिया था। अभियुक्ता के पति की मृत्यु के बाद जब उसने जमीन में हिस्सा मांगना शुरु किया तो मृतक ने मना कर दिया।बस इसी रंजिश को लेकर आरोपी महिला ने अपने पुत्र अरविन्द व उसके दोस्त आलोक तिवारी पुत्र रामनायक तिवारी निवासी ग्राम बनघूसरा बेलगरा थाना तारुन जनपद अयोध्या व आदर्श सिंह पुत्र अर्जुन सिंह निवासी काकोली थाना तारुन जनपद अयोध्या के साथ मिलकर रात में सोते समय हत्या कर दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।